आयोजित राष्ट्रीय ..... में (क्रीड़ा/खेल–कूद का नाम) की प्रतियोगिता/टूर्नामेन्ट में प्रदेश की ओर से भाग लिया।

उनके टीम के द्वारा उक्त प्रतियोगिता/टूर्नामेन्ट में ..... स्थान प्राप्त किया गया।

यह प्रमाण–पत्र ..... (प्रदेशीय संघ का नाम) में उपलब्ध रिकार्ड के आधार पर दिया गया है।

स्थान .....
दिनांक .....

हस्ताक्षर .....
नाम .....
पद .....
संस्था का नाम .....
पता .....
मुहर .....

नोटः यह प्रमाण–पत्र प्रदेशीय खेल–कूद संघ के सचिव द्वारा व्यक्तिगत रूप से किये गये हस्ताक्षर होने पर ही मान्य होगा।

प्रारूप – 3

(मान्यता प्राप्त क्रीड़ा/खेल में अपने विश्वविद्यालय की ओर से अन्तर्विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी के लिये)

विश्वविद्यालय का नाम ..... राज्य स्तर की सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए कुशल खिलाड़ियों के लिए प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ..... आत्मज/पत्नी/आत्मजा श्री ..... निवास (पूरा नाम) ..... विश्वविद्यालय की कक्षा ..... के विद्यार्थी ने दिनांक ..... से दिनांक ..... तक ..... (स्थान का नाम) में आयोजित अन्तर्विश्वविद्यालय ..... (क्रीड़ा/खेल–कूद का नाम) प्रतियोगिता/टूर्नामेन्ट में ..... विश्वविद्यालय की ओर से भाग लिया।

उनके टीम के द्वारा उक्त प्रतियोगिता/टूर्नामेन्ट में ..... स्थान प्राप्त किया गया। यह प्रमाण–पत्र डीन ऑफ स्पोर्ट्स अथवा इंचार्ज खेल कूद ..... विश्वविद्यालय में उपलब्ध रिकार्ड के आधार पर दिया गया है।

स्थान .....
दिनांक .....

हस्ताक्षर .....
नाम .....
पद .....
संस्था का नाम .....
मुहर .....

नोटः यह प्रमाण–पत्र विश्वविद्यालय के डीन ऑफ स्पोर्ट्स या इंचार्ज खेल–कूद द्वारा व्यक्तिगत रूप से किये गये हस्ताक्षर होने पर ही मान्य होगा।

प्रारूप – 4

(मान्यता प्राप्त क्रीड़ा/खेल में अपने स्कूल की ओर से राष्ट्रीय खेल–कूद में भाग लेने वाले खिलाड़ी के लिये)

डाइरेक्ट्रेट ऑफ पब्लिक इन्सट्रक्शन्स/निदेशक, शिक्षा, उत्तर प्रदेश ..... राज्य स्तर की सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए कुशल खिलाड़ियों के लिए प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ..... आत्मज/पत्नी/आत्मजा श्री ..... निवास (पूरा नाम) ..... में ..... स्कूल में कक्षा ..... के विद्यार्थी ने दिनांक ..... से दिनांक ..... तक ..... (स्थान का नाम) में आयोजित स्कूलों के नेशनल गेम्स की ..... (क्रीड़ा/खेल–कूद का नाम) प्रतियोगिता/टूर्नामेन्ट में ..... स्कूल की ओर से भाग लिया। उनके टीम के द्वारा उक्त प्रतियोगिता/टूर्नामेन्ट में ..... स्थान प्राप्त किया गया। यह प्रमाण–पत्र डाइरेक्ट्रेट ऑफ पब्लिक इन्सट्रक्शन्स/शिक्षा में उपलब्ध रिकार्ड के आधार पर दिया गया है।

स्थान .....
दिनांक .....

हस्ताक्षर .....
नाम .....
पद .....
संस्था का नाम .....
मुहर .....

नोटः यह प्रमाण–पत्र निदेशक/या अतिरिक्त/संयुक्त या उपनिदेशक डाइरेक्ट्रेट ऑफ पब्लिक इन्सट्रक्शन्स/शिक्षा ..... द्वारा व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षर होने पर मान्य होगा।

क्रमांकः

उत्तर प्रदेश शासन
नियोजन विभाग
मुख्यमंत्री फेलोशिप कार्यक्रम
अनुभव प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/सुश्री.....पुत्र/पुत्री.....श्री/श्रीमती..... जिनकी जन्मतिथि .....है, के द्वारा नियोजन विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री फेलोशिप कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखण्ड..... जनपद.....में दिनांक.....से ..... तक शोधार्थी के रूप में सफलतापूर्वक कार्य किया गया।

नोटः यह प्रमाण–पत्र उ0प्र0 लोक सेवाओं (प्रतियोगी परीक्षा हेतु मुख्यमंत्री अध्येतावृत्ति के अनुसंधानविदों के लिए आयु सीमा एवं अधिमान का शिथिलीकरण) नियमावली, 2026 में प्राविधानित वेटेज व आयु में शिथिलीकरण प्रयोजनार्थ जारी किया गया है।

दिनांक : .....

विशेष सचिव, नियोजन विभाग

परिशिष्ट–2

सहायक वास्तुविद् नियोजक परीक्षा

परीक्षा–योजना

प्रश्नपत्र–एक –	**वस्तुनिष्ठ प्रकारक।**
प्रश्नपत्र का नाम –	सामान्य अध्ययन तथा सामान्य हिन्दी।
प्रश्नपत्र हेतु कुल निर्धारित अंक–	200 (दो सौ)
प्रश्नों की कुल संख्या–	100 (सामान्य अध्ययन के 75 प्रश्न तथा सामान्य हिन्दी के 25 प्रश्न)।
प्रत्येक प्रश्न हेतु निर्धारित अंक–	02 (दो)।
समयावधि–	02 (दो) घंटा।
प्रश्नपत्र–दो –	**परम्परागत अर्थात लिखित।**
प्रश्नपत्र का नाम –	वास्तुकला एवं नियोजन।
प्रश्नपत्र हेतु कुल निर्धारित अंक–	300 (तीन सौ)
समयावधि–	03 (तीन) घंटा।

ध्यातव्य है कि उक्त प्रश्नपत्र के अन्तर्गत कुल–15 (पन्द्रह) प्रश्न होगें तथा वे सभी अभ्यर्थियों के लिए अनिवार्य होंगे, इनका स्वरूप निम्नवत् होगा :–

खण्ड–(अ)– के अन्तर्गत प्रश्नपत्र में 05 प्रश्न अति लघु उत्तरीय {उत्तरों की शब्द सीमा 75 एवं प्रत्येक प्रश्न 10 (दस) अंक का होगा}।

खण्ड–(ब)– के अन्तर्गत प्रश्नपत्र में 05 प्रश्न लघु उत्तरीय {उत्तरों की शब्द सीमा 150 एवं प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंक का होगा}।

खण्ड–(स)– के अन्तर्गत प्रश्नपत्र में 05 प्रश्न दीर्घ उत्तरीय {उत्तरों की शब्द सीमा 225 एवं प्रत्येक प्रश्न 30 (तीस) अंक का होगा}।

नोटः– उक्त दोनों प्रश्नपत्रों में प्राप्तांकों के योग के आधार पर अभ्यर्थियों की श्रेष्ठता सूची का निर्धारण होगा।

सहायक वास्तुविद् नियोजक परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम

विषय : सामान्य हिन्दी	**अंक–विभाजन**
1. हिन्दी-वर्ण विचार : स्वर और व्यंजन	**04**
2. हिन्दी शब्द-निर्माण : सन्धि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय	**08**
3. सर्वनाम, विशेषण	**04**
4. हिन्दी शब्द-समूह : तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी	**08**
5. शब्द–अर्थ–सम्बन्ध : पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, अनेकार्थी शब्द, समश्रुत भिन्नार्थ शब्द (शब्द-युग्म)	**10**
6. वर्तनी एवं वाक्यगत अशुद्धियाँ एवं संशोधन	**08**
7. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ	**08**

विषयः सामान्य अध्ययन

(1) भारत का इतिहास और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन : भारतीय इतिहास के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक पहलुओं की समझ। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन– इसका अभ्युदय और स्वतंत्रता की प्राप्ति। भारतीय कला और वास्तुकला का इतिहास।

(2) भारत और विश्व का भूगोल : भारत का भौतिक, सामाजिक और आर्थिक भूगोल। पर्यावरण, जनसंख्या और नगरीकरण–उत्तर प्रदेश के विशेष संदर्भ में। विश्व का सामान्य भूगोल।

(3) भारतीय राजनीति और शासन : भारतीय संविधान, भारतीय राजनीतिक व्यवस्था, स्थानीय स्वशासन, संवैधानिक और अन्य महत्त्वपूर्ण निकाय, लोकतंत्र, निर्वाचन–प्रक्रिया, संसदीय समितियाँ, सूचना का अधिकार। उत्तर प्रदेश के संदर्भ में राजव्यवस्था।

(4) भारतीय अर्थव्यवस्था और सामाजिक विकास : आर्थिक नियोजन, सतत विकास, गरीबी और बेरोजगारी से संबंधित मुद्दे और नीतियाँ। नगरीकरण, प्रवास और शहरी नियोजन पर इसका प्रभाव। महिला सशक्तीकरण, आर्थिक सुधार और इसकी नीतियाँ, उत्तर प्रदेश के विकास के लिए योजनाएँ और नीतियाँ।

(5) राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्त्व की समसामयिक घटनाएँ : खेल–कूद सहित राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्त्व की समसामयिक घटनाएँ।

(6) भारतीय कृषि : भारतीय कृषि की सामान्य समझ। महत्त्वपूर्ण कृषि फसलों की उत्पादन तकनीक। कृषि–उत्पाद एवं उसका विपणन। कृषि में विभिन्न क्रांतियाँ। जैविक एवं प्राकृतिक खेती। फसलों में कीटनाशक अवशेष एवं मानव–स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव।

(7) सामान्य विज्ञान, कम्प्यूटर एवं प्रौद्योगिकी : भौतिकी, रसायनविज्ञान, जीवविज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, कम्प्यूटर, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी एवं साइबर सुरक्षा की मूलभूत अवधारणाएँ। उपर्युक्त विषयों का दैनिक जीवन में अनुप्रयोग, अवलोकन एवं सामान्य समझ तथा भारत और उत्तर प्रदेश के विकास में इनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका।

(8) प्रारंभिक गणित : बीजगणित, सांख्यिकी, ज्यामिति एवं अंकगणित की मूलभूत अवधारणाएँ।

(9) सामान्य बौद्धिक क्षमता : मौखिक एवं गैरमौखिक सादृश्य एवं शृंखला, वर्गीकरण, कोडिंग–डिकोडिंग, वर्णमाला एवं संख्या परीक्षण, दूरी एवं दिशा, रक्त–संबंध, कागज काटना एवं मोड़ना, वेन आरेख, गणितीय संचालन, कैलेंडर, समय और घड़ी, लुप्त पद, रैंकिंग और व्यवस्था, शब्द–समस्याएँ, अंतःस्थापित आकृति।

विषय : वास्तुकला एवं नियोजन

1. वास्तुकला और अभिकल्प

वास्तुकला ग्राफिक्स; समरूपीय प्रक्षिप्तियाँ, अक्षांशीय प्रक्षिप्तियाँ, तिर्यक प्रक्षिप्तियाँ, दृष्टिकोण प्रक्षिप्तियाँ; अभिकल्प का सिद्धांत; डिजाइन के तत्व और सिद्धांत; मानव माप, स्थान और भवन मानक; सार्वभौमिक डिजाइन, सार्वभौमिक डिजाइन सिद्धांत, भारत के सार्वभौमिक अभिकल्प सिद्धांत, सुगम्यता मानक; कोड और मानक, भवन अधिनियम (उ.प्र. राज्य); वास्तुकला अभिकल्प प्रक्रिया; अभिकल्प विचार; साइट विश्लेषण और संश्लेषण; क्षेत्र योजना और अवधारणा विकास।

2. भवन निर्माण और सामग्री

भवन निर्माण तकनीकें; विधियाँ और विवरण; माड्यूलर समन्वय के सिद्धांत; निर्माण योजना और उपकरण; भवन प्रणाली और भवन तत्वों का प्रीफैब्रिकेशन; अधुनातन भवन निर्माण तकनीक; भवन सामग्री की विशेषताएँ और अनुप्रयोग; टिकाऊ भवन सामग्री; वैकल्पिक भवन सामग्री।

3. भवन संरचना

सामग्रियों की मजबूती; संरचनात्मक तत्वों का व्यवहार; नींव; संरचनात्मक तत्वों का डिजाइन; संरचनात्मक यांत्रिकी; संरचनात्मक प्रणालियों के प्रकार; प्री–स्ट्रेसिंग और पोस्ट टेंशनिंग के सिद्धांत; बहुमन्जिला इमारतें और लंबी स्पैन संरचनाएँ; गुरुत्व और भार प्रतिरोधी प्रणालियाँ; भूकंप–प्रतिरोधी संरचनाएँ।

4. ऐतिहासिक और समकालीन वास्तुकला

भारतीय वास्तुकलाः प्राचीन, मध्यकालीन, उपनिवेशिक और समकालीन; विश्व की वास्तुकला का इतिहासः प्राचीन मिस्र, ग्रीको–रोमन क्लासिकल काल, बाइजेंटाइन, गोथिक, पुनर्जागरण, बारोक, आर्ट नोव्यू, आर्ट डेको, इकलैक्टिसिज्म, अंतरराष्ट्रीय शैलियाँ, पोस्ट–मोडर्निज्म, वास्तुकला में विखंडन; ओरिएंटल वास्तुकला; प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वास्तुविदों के कार्य।

5. शहरी डिजाइन

शहरी अभिकल्प के ऐतिहासिक और आधुनिक उदाहरण; शहरी निर्मित वातावरण के तत्व; शहरी अभिकल्प की अवधारणाएं और सिद्धांत; शहरी डिजाइन के सिद्धांत, उपकरण और तकनीकें; सतत विकास और परिवहन के लिए शहरी डिजाइन हस्तक्षेप; विकास नियंत्रण – एफ. ए. आर., घनत्व, भवन नियमावली और विनियम।

6. भूदृश्य अभिकल्प और संरक्षण

भूदृश्य अभिकल्प और योजना; भूदृश्य अभिकल्प के सिद्धांत और सिद्धांत; भूदृश्य तत्व और सामग्री; बागों के प्रकार; नरम और कठोर भूदृश्यों का डिजाइन; पौधों की सामग्री, पेड़, झाड़ियाँ, हरा आवरण, 'इनडोर' पौधे; संगठित और असंगठित हरे क्षेत्र; स्ट्रीट फर्नीचर। विरासत की परिभाषा और प्रकार; विरासत संरक्षण के सिद्धांत और आवश्यकता; विरासत सामग्री और तकनीक, ऐतिहासिक शहरी भूदृश्य (एच. यू. एल.); शहरी नवीनीकरण और संरक्षण।

7. पेशेवर अभ्यास और परियोजना प्रबंधन

पेशेवर अभ्यास और नैतिकता; अनुमान और विनिर्देशन; टेंडरिंग, अनुबंध; मध्यस्थता; आपदा न्यूनीकरण के लिए डिजाइन और लेआउट; पुनर्वास के लिए अस्थायी संरचनाएँ; परियोजना प्रबंधन तकनीक जैसे PERT, CPM

8. आवासिकी

आवास के प्रकार; 'नेबरहूड' की अवधारणाएँ, सिद्धांत और उदाहरण; आवासीय घनत्व; रियल एस्टेट मूल्यांकन; आवास विकास मानदंड, नियम और कानून (उत्तर प्रदेश राज्य); HUDCO, NHB, NBFC, HFC जैसे आवास और विकास वित्त संस्थान; अनौपचारिक आवास; मलिन बस्ती उन्नयन, हटाना और पुनर्वास; आवास की मांग और आपूर्ति; आवास नीति और योजनाएँ; किफायती और कम लागत वाला आवास; आपदा प्रवण क्षेत्रों में आवास।

9. भवन सेवाएँ और आधारभूत संरचना

जल आपूर्ति और वितरण प्रणाली; जल उपचार; जल संचयन प्रणाली; वर्षा जल निकासी प्रणाली के सिद्धांत, योजना और डिजाइन; नालाबंदी प्रणाली; ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के तरीके – संग्रह, परिवहन और निपटान; ठोस अपशिष्ट का पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग। विद्युत् के मूल सिद्धांत; विद्युत् की मांग की गणना मानक और मान; प्रकाश और रोशनी अभिकल्प। आग बुझाने की प्रणाली; आकाशीय बिजली से सुरक्षा साधन; भवन सुरक्षा और सुरक्षा प्रणाली; ऊर्ध्वाधर परिसंचरण प्रणाली, लिफ्ट, एस्केलेटर; भवन प्रबंधन प्रणाली, भवन स्वचालन और स्मार्ट भवन। HVAC और इमारतों में एयर कंडीशनिंग सिस्टम के प्रकार; वास्तु–ध्वनिकी – मूल सिद्धांत और अभिकल्प। सड़कें, चौराहे, ग्रेड विभाजक और पार्किंग की पदानुक्रम और अभिकल्प; पेराट्रांजिट और परिवहन के अन्य साधन; पैदल चलने और गैर–मोटर चालित गतिशीलता।

10. सतत वास्तुकला

सतत भवन रणनीतियाँ; अप्रतिरोधी अभिकल्प रणनीतियाँ; भवन प्रदर्शन अनुकरण और मूल्यांकन; ग्रीन भवन और मानदंड (GRIHA, LEED, IGBC, ECO-NIWAS SAMHITA); नेट जीरो भवन; गैर–नवीनतम ऊर्जा प्रणालियाँ।

11. योजना सिद्धांत

शहरी योजना के सिद्धांत और नियम; शहरों की अवधारणाएँ – इको–शहर, स्मार्ट शहर; ट्रेंडसेटिंग योजनाकारों और अभिकल्पकों द्वारा प्रतिपादित अवधारणाएँ और सिद्धांत; एकिस्टिक्स; शहरी समाजशास्त्र; सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणी पहलू; मास्टर योजनाएँ, शहर विकास योजनाएँ, क्षेत्रीय विकास योजनाएँ।

12. योजना उपकरण और तकनीकें

शहरी और क्षेत्रीय योजना में जी.आई.एस और रिमोट सेंसिंग तकनीकों का उपयोग; सर्वेक्षण के उपकरण और तकनीकें – भौतिक, स्थलाकृतिक, भूमि उपयोग और सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण; शहरी अर्थशास्त्र, भूमि की मांग और आपूर्ति नियम एवं भू योजना में इसका उपयोग; ट्रांजिट उन्मुख विकास (टीओडी); स्थानीय स्व–शासन; योजना कानून और कार्यान्वयन – भूमि अधिग्रहण अधिनियम; सार्वजनिक निजी भागीदारी (PPP); भागीदारी योजना।

13. क्षेत्रीय और ग्रामीण योजना

आबादी की पदानुक्रम; क्षेत्रीय योजनाएँ; विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ), विशेष विकास क्षेत्र (SRZ) आदि; ग्रामीण बस्तियाँ और अवसंरचना, भारत में ग्रामीण विकास कार्यक्रम; ग्रामीण सामाजिक–आर्थिक पहलू; ग्रामीण शासन, पंचायती राज संस्थाएँ; स्थानिक वास्तुकला।

14. परिवहन योजना

परिवहन योजना और यातायात इंजीनियरिंग की प्रक्रियाएँ और सिद्धांत; सड़क क्षमता और यात्रा की मांग का पूर्वानुमान; यातायात सर्वेक्षण विधियाँ, यातायात प्रवाह विश्लेषण; यातायात विश्लेषण और अभिकल्प विचार; शहरी क्षेत्रों में यातायात और परिवहन प्रबंधन और नियंत्रण; जन परिवहन योजना; उन्नत परिवहन प्रणाली; परिवहन हब का डिजाइन और योजना; सड़कों, चौराहों, ग्रेड अलगावकों और पार्किंग का पदानुक्रम और अभिकल्प; पैरा–ट्रांजिट और परिवहन के अन्य माध्यम; पैदल और गैर–मोटर चालित गतिशीलता।

15. पर्यावरणीय योजना

प्राकृतिक और मानव–निर्मित पारिस्थितिकी तंत्र; पारिस्थितिकी; सिद्धांत; योजना और अभिकल्प में पर्यावरणी विचार; पर्यावरणी प्रदूषण – प्रकार, कारण, नियंत्रण और उपशमन रणनीतियाँ; सतत विकास लक्ष्य (SDG's) और रणनीतियाँ; जलवायु परिवर्तन और निर्मित वातावरण; जलवायु उत्तरदायी अभिकल्पन।

परिशिष्ट–3

क्रीड़ाधिकारी परीक्षा

परीक्षा–योजना

प्रश्नपत्र–एक–	वस्तुनिष्ठ प्रकारक।
प्रश्नपत्र का नाम–	सामान्य ज्ञान तथा सामान्य हिन्दी।
प्रश्नपत्र हेतु कुल निर्धारित अंक–	150 (एक सौ पचास)
प्रश्नों की कुल संख्या–	75 (सामान्य ज्ञान के 50 प्रश्न तथा सामान्य हिन्दी के 25 प्रश्न)।
प्रत्येक प्रश्न हेतु निर्धारित अंक–	02 (दो)।
समयावधि–	01:30 (एक घंटा तीस मिनट)।
प्रश्नपत्र–दो–	परम्परागत अर्थात लिखित ।
प्रश्नपत्र का नाम –	शारीरिक शिक्षा (खेल)।
प्रश्नपत्र हेतु कुल निर्धारित अंक–	200 (दो सौ)
समयावधि–	03 (तीन) घंटा।

ध्यातव्य है कि उक्त प्रश्नपत्र के अन्तर्गत कुल–15 (पन्द्रह) प्रश्न होंगे तथा वे सभी अभ्यर्थियों के लिए अनिवार्य होंगे, इनका स्वरूप निम्नवत् होगाः–

खण्ड (अ)– के अन्तर्गत प्रश्नपत्र में 05 प्रश्न अति लघु उत्तरीय [उत्तरों की शब्द सीमा 75 एवं प्रत्येक प्रश्न 05 (पांच) अंक का होगा]।

खण्ड (ब)– के अन्तर्गत प्रश्नपत्र में 05 प्रश्न लघु उत्तरीय [उत्तरों की शब्द सीमा 150 एवं प्रत्येक प्रश्न 10 (दस) अंक का होगा]।

खण्ड (स)– के अन्तर्गत प्रश्नपत्र में 05 प्रश्न दीर्घ उत्तरीय [उत्तरों की शब्द सीमा 250 एवं प्रत्येक प्रश्न 25 (पचीस) अंक का होगा]।

नोटः– उक्त दोनों प्रश्नपत्रों में प्राप्तांकों के योग के आधार पर अभ्यर्थियों की श्रेष्ठता सूची का निर्धारण होगा।

क्रीड़ाधिकारी परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम

विषय : सामान्य हिन्दी	अंक–विभाजन
1. हिन्दी वर्ण–विचारः स्वर और व्यंजन	**04**
2. हिन्दी शब्द–निर्माणः सन्धि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय	**08**
3. सर्वनाम, विशेषण, क्रिया	**06**
4. हिन्दी शब्द–समूहः तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी	**08**
5. शब्द–अर्थ सम्बन्धः पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, अनेकार्थी शब्द, समश्रुत भिन्नार्थक शब्द (शब्द–युग्म)	**10**
6. वर्तनी एवं वाक्यगत अशुद्धियाँ एवं संशोधन	**08**
7. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ	**06**

विषय–सामान्य ज्ञान

1. भारत का इतिहास और संस्कृति, भारत में पुनर्जागरण आन्दोलन की प्रकृति और स्वतंत्रता आन्दोलन के आयाम ।
2. विश्व एवं भारतीय भूगोल की सामान्य जानकारी, भौगोलिक अध्ययन में वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति और मानव कल्याण में उनका अनुप्रयोग।
3. भारतीय राजनीतिक प्रणाली एवं भारतीय संविधान का आधारभूत ज्ञान।
4. भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रमुख विशेषताएं, भारत की प्रमुख आर्थिक नीतियाँ एवं सामाजिक कल्याण योजनाएँ।
5. सामान्य विज्ञान (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान) के मूलभूत सिद्धान्त, विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक एवं तकनीकी उन्नति एवं दैनिक जीवन में इसका अनुप्रयोग।
6. कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी की मूलभूत अवधारणाएँ और उनके अनुप्रयोग।
7. भारतीय कृषि की सामान्य जानकारी, फसल उत्पादन तकनीक, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, कृषि उपज एवं विपणन, कृषि क्रांतियाँ।
8. खेलकूद सहित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय महत्व के समसामयिक घटनाक्रम।

विषय–शारीरिक शिक्षा (खेल)

इकाई–1 : व्यायाम शरीर क्रिया विज्ञान

1. व्यायाम शरीर क्रिया विज्ञान का परिचय–ऊर्जा प्रणालियाँ, ए0टी0पी0 उत्पादन ।
2 व्यायाम के लिए हृदय परिसंचरण और मांसपेशीय अनुकूलन ।
3. विभिन्न शारीरिक प्रणालियों पर व्यायाम का प्रभाव–तीव्र बनाम दीर्घकालिक अनुकूलन ।
4. रिकवरी और थकान प्रबंधन–शारीरिक आधार और रणनीतियाँ।

इकाई–2 : खेल मनोविज्ञान

1. खेल मनोविज्ञान का परिचय, कोचिंग की परिभाषा, क्षेत्र और महत्व।
2. खेलों में प्रेरणा– एथलीट प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए प्रकार, तकनीकें।
3. व्यक्तित्व और खेल प्रदर्शन–खेल सफलता में व्यक्तित्व लक्षण की भूमिका।
4. संवेगः भय, क्रोध, चिंता, आक्रामकता और तनाव प्रबंधन।

इकाई–3 : खेल प्रशिक्षण

1. खेल प्रशिक्षण के सिद्धांत–विशिष्टता, अधिभार, प्रगति, प्रतिवर्तीता।
2. प्रशिक्षण घटक–गति, शक्ति, लचीलापन, सहनशक्ति, समन्वय क्षमताएं आदि।
3. योजना एवं अवधि निर्धारण–मैक्रो (स्थूल), मेसो और माइक्रो (सूक्ष्म) चक्र।
4 प्रतिभा पहचानः सिद्धांत एवं चरण।

इकाई–4 : खेल जैवयांत्रिकी

1. जैवयांत्रिकी की आधारभूत अवधारणाएँ– गति, बल, उत्तोलन, खेल में न्यूटन के नियम।
2. मानव गति में गतिकी और गतिविज्ञान ।
3. खेल कौशल का जैवयांत्रिकी विश्लेषण–तकनीक सुधार।
4. चोट की रोकथाम में जैवयांत्रिकी का अनुप्रयोग।

इकाई–5 : खेल पोषण और योग

1. खेल पोषण की मूलभूत अवधारणाएँ–मैक्रोन्यूट्रिएंट्स, माइक्रोन्यूट्रिएंट्स, हाइड्रेशन।
2. एथलीटों के लिए आहार योजना–पूर्व–प्रतियोगिता, प्रतियोगिता के दौरान और प्रतियोगिता के वाद का पोषण !
3. संतुलित आहार।
4. खेलों में योगिक अभ्यासों का अनुप्रयोग।

इकाई–6 : खेल चिकित्सा

1. खेल चिकित्सा का परिचय– क्षेत्र एव महत्व।
2. सामान्य खेल चोटें–मोच, खिंचाव, फ्रैक्चर और अतिप्रयोग से होने वाली चोटें।
3. खेल में प्राथमिक चिकित्सा और आपातकालीन देखभाल ।
4. मालिश एवं पुनर्वास ।

इकाई–7 : खेलों में संगठन एवं प्रशासन

1. खेल संगठन के सिद्धांत–संरचनाएं, नीतियाँ और प्रक्रियाएँ।
2. खेल में इवेंट प्रबंधन–योजना, बजट, क्रियान्वयन।
3. सुविधाएँ एवं उपकरण प्रबंधन–खरीद रखरखाव, सुरक्षा।
4. खेल प्रशासन में नेतृत्व एवं संचार।

इकाई–8 : परीक्षण, मापन एवं मूल्यांकन

1 खेलों में परीक्षण, मापन एवं मूल्यांकन की भूमिका।
2. शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण।
3. विशिष्ट खेलों में कौशल एवं प्रदर्शन परीक्षण।
4. शरीर के प्रकार।

इकाई–9 : खेलों में डिजिटल लर्निंग और ए.आई. का अनुप्रयोग

1. कोचिंग में डिजिटल उपकरण–वीडियो विश्लेषण एवं ई–लर्निंग प्लेटफार्म ।
2. खेल प्रदर्शन संवर्द्धन मे ए.आई. अनुप्रयोग।
3. खेल प्रदर्शन के लिए डेटा प्रबंधन और सांख्यिकीय विश्लेषण ।
4. खेलों में कम्प्यूटर अनुप्रयोग।

इकाई–10 : खेल निकाय, प्रतियोगिताएँ, पुरस्कार और खेल के नियम एवं विनियमन

1. राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल निकाय।
2. प्रमुख राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताएँ ।
3. भारत में खेल पुरस्कार एवं मान्यताएँ।
4. खेल के नियम एवं विनियमन।

परिशिष्ट–4

प्रोग्रामर ग्रेड–2 पद हेतु परीक्षा योजना

1– परीक्षा में एक प्रश्न पत्र होगा, जो वस्तुनिष्ठ प्रकार का होगा तथा जिसकी अवधि दो घण्टे होगी।

2– प्रश्न पत्र में कुल 85 प्रश्न होंगे तथा पूर्णांक 170 होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए दो–दो अंक निर्धारित रहेगा।

अंक विभाजन

Topics	No. of Questions	Marks
(a) Computer Application	50	100
(b) Logical Ability	15	30
(c) Mathematics (Fundamental concepts)	10	20
(d) English Comprehension (Unseen Passage)	10	20
Total	**85**	**170**

प्रोग्रामर ग्रेड–2 पद हेतु पाठ्यक्रम

विषयः कम्प्यूटर अनुप्रयोग

1. ऑपरेटिंग सिस्टम (Operating System)

ऑपरेटिंग सिस्टम के मूल सिद्धांतः ऑपरेटिंग सिस्टम का मूलभूत परिचय, ऑपरेटिंग सिस्टम के प्रकार, कार्य एवं सेवाएँ, सिस्टम कॉल, इंटरफेस, इंटरप्ट्स।

प्रोसेसः प्रोसेस प्रबंधन, प्रोसेस कंट्रोल ब्लॉक, प्रोसेस अवस्थाएँ, थ्रेड्स, शेड्यूलिंग, स्पूलिंग, शेड्यूलिंग एल्गोरिदम और उनका मूल्यांकन, प्रोसेस सिंक्रनाइजेशन, इंटर–प्रोसेस कम्युनिकेशन, कंकर्न्ट एक्जीक्यूशन रेस कंडीशन, म्यूचुअल एक्सक्लूजन, बाउंडेड वेटिंग, सेमाफोर, हार्डवेयर सिंक्रनाइजेशन, क्लासिकल प्रॉब्लम्स ऑफ सिंक्रोनाइजेशन, (रीडर्स–राइटर्स, डाइनिंग फिलॉसफर्स) ।

डेडलॉकः डेडलॉक का परिचय, विशेषताएँ, रोकथाम, पहचान, बचाव, वेट–फॉर–ग्राफ, बैंकर्स एल्गोरिदम, सुरक्षित स्थिति, डेडलॉक रिकवरी।

मेमोरी प्रबंधनः मेमोरी प्रबंधन का मूलभूत सिद्धांत, स्थैतिक और गतिशील आवंटन, स्वैपिंग, कम्पैक्शन, कंटिग्यूस और नॉन–कंटिग्यूस आवंटन, पेजिंग, सेगमेंटेशन, वर्चुअल मेमोरी, डिमांड पेजिंग, पेज प्रतिस्थापन एल्गोरिदम, फ्रेम आवंटन विधियाँ, थैशिंग।

फाइल प्रबंधनः फाइल सिस्टम की संरचना और कार्य, I/0 ऑपरेशन्स, डिवाइस ड्राइवर्स, एक्सेस विधियाँ, फाइल सिस्टम संगठन, डिजाइन तकनीकें, फाइल आवंटन विधियाँ, फाइल सुरक्षा और संरक्षण।

Unix और Windows: ओवरव्यू ऑफ यूनिक्स शेल एनवायरनमेंट, सामान्य कमांड, सिस्टम यूटिलिटीज, Windows एनवायरनमेंट, उप–प्रणाली, कंट्रोल पैनल और सिस्टम कॉन्फिगरेशन, सुरक्षा और संरक्षण।

2. प्रोग्रामिंग भाषा (Programming Language)

समस्या समाधान तकनीकें: एल्गोरिदम, फ्लोचार्ट, प्रोग्रामिंग पैरेडाइम्स (टॉप–डाउन, बॉटम–अप), ऑब्जेक्ट ओरिएंटेड और स्ट्रक्चर प्रोग्रामिंग अवधारणाएँ।

C प्रोग्रामिंगः C भाषा का महत्व और विकास, प्रोग्राम की संरचना, कैरेक्टर सेट, टोकन्स, कीवर्ड्स, आइडेंटिफायर्स, स्थिरांक, चर, डेटा प्रकार, ऑपरेटर्स, निर्णय लेने वाले कथन, लूप्स, ऐरेज, स्ट्रिंग्स, फंक्शंस, स्ट्रक्चर्स।

ऑब्जेक्ट ओरिएंटेड प्रोग्रामिंगः क्लासेस, ऑब्जेक्ट, एन्कैप्सुलेशन, डेटा एब्स्ट्रैक्शन, इनहेरिटेंस, पुनः उपयोगिता और मॉड्यूलरिटी, पोलिमॉर्फिज्म, फ्रेंड फंक्शंस, वर्चुअल फंक्शंस, कंस्ट्रक्टर्स और डीस्ट्रक्टर्स।

जावाः जावास्रोत फाइल संरचना, JVM आर्किटेक्चर, प्राथमिक डेटा प्रकार, ऑपरेटर्स, टाइप कास्टिंग, ऐरेज, कंडीशनल कथन, लूप संरचनाएँ, एब्स्ट्रैक्ट क्लासेस और इंटरफेस, मेथड ओवरलोडिंग और ओवरराइडिंग, पैकेजेस और एक्सेस मॉडिफायर्स।

3. स्क्रिप्टिंग भाषाएँ (Scripting Languages)

स्क्रिटिंग भाषाओं की परिभाषा, विशेषताएँ, वेब आधारित अनुप्रयोगों में उपयोग, क्लाइंट–साइड vs. सर्वर–साइड स्क्रिप्टिंग।

जावा स्क्रिप्टः जावा स्क्रिप्ट का परिचय, सिंटैक्स, वेरिएबल्स, एक्सप्रेशन्स, नियंत्रण संरचनाएँ (ब्रांचिंग और लूपिंग), फंक्शंस, इवेंट्स, डॉक्युमेंट ऑब्जेक्ट मॉडल (DOM), मैनिपुलेशन्स ।

पर्लः सिंटैक्स, डेटा प्रकार, वेरिएबल्स, ऑपरेटर्स, कंडीशनल और लूपिंग कथन, ऐरेज, स्ट्रिंग्स, हैशेस, अंतर्निहित फंक्शंस और सबरूटीनस।

4. डेटाबेस (Database)

DBMS की विशेषताएँ, डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली की विशेषताएँ, डेटाबेस मॉडल्स, ER आरेख, DDL, DML, डेटा एब्स्ट्रैक्शन और डेटा इंडिपेंडेंस, DBMS आर्किटेक्चर, स्कीमा, व्यूज, कार्यात्मक निर्भरताएँ, इंटीग्रिटी कंस्ट्रेंट्स, नॉर्मल फॉर्म्स (1NF, 2NF, 3NF और BCNF), ट्रांजैक्शन्स और कनकरेंसी की अवधारणाएँ।

5. डेटाबेस पैकेजेस (Database Packages)

स्ट्रक्चर्ड क्वेरी लैंग्वेज (SQL): SELECT क्वेरीज, JOINS, सबक्वेरीज, एग्रीगेट फंक्शंस, सेट ऑपरेशन्स, डेटा

मैनिपुलेशन (INSERT, UPDATE, DELETE, WHERE, ORDER BY, GROUP BY), इंडेक्सेस और ट्रिगर्स।

MS-ACCESS: MS-Access GUI और संरचना का परिचय, रिपोर्ट्स, क्वेरीज, मैक्रोज, अंतर्निहित फंक्शंस, डेटा आयात/निर्यात क्वेरीज, तालिका संबंध।

Oracle: परिचय और स्थापना, बैकअप और रिकवरी प्रबंधक, SQL सर्वर की मूल अवधारणाएँ, SQL सर्वर के कार्य, सर्वर कॉन्फिगरेशन, उपयोगकर्ता प्रबंधन, MySQL की मूल अवधारणाएँ।

6. वेब सर्वर

पीएचपी (PHP): पीएचपी का परिचय, चर (Variables), आंकड़ा प्रकार (Data Types), कंडीशनल तथा लूपिंग कथन, इंडेक्स्ड एवं एसोसिएटिव ऐरे, बिल्ट–इन फंक्शन्स, HTML में PHP का समावेश, प्रपत्र (Form) प्रबंधन ।

वेब सर्वर: वेब सर्वर का अवलोकन एवं संकल्पना, वेब सर्वरों के प्रकार, HTTP एवं HTTPS प्रोटोकॉल, क्लाइंट–पक्ष एवं सर्वर–पक्ष स्क्रिप्टिंग, .NET प्लेटफॉर्म तथा फ्रेमवर्क का परिचय, MVC आर्किटेक्चर एवं उसका कार्यान्वयन, API विकास, रिमोट एक्सेस एवं सर्वर प्रबंधन, ASP.NET का डिप्लॉयमेंट और पब्लिशिंग, IIS एवं अपाचे सर्वर का बोध, वेब होस्टिंग एवं डोमेन प्रबंधन की मूल अवधारणाएँ ।

7. नेटवर्क

इंटरनेट की मूल अवधारणाएँ, वेब ब्राउजर, सर्च इंजन, यूआरएल संरचना, प्रोटोकॉल एवं सेवाएँ, FTP, TCP/IP, DNS, POP, SMTP, ICMP, RARP, UDP, ARP, IP अड्रेसिंग प्रणाली, उप–जाल (Subnetting) की संकल्पना, दूरस्थ लॉगिन, वेब अपलोडिंग/डाउनलोडिंग, वेब प्रकाशन, होस्टिंग सेवाएँ, SSL, इंटरनेट सुरक्षा उपाय, सोशल मीडिया नेटवर्किंग, सॉकेट प्रोग्रामिंग की मूल अवधारणाएँ, क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर, TCP एवं UDP सॉकेट संप्रेषण।

8. वेब सामग्री विकास

हाइपरटेक्स्ट एवं हाइपरमीडिया की संकल्पनाएँ, HTML प्रलेखों की संरचना, शीर्ष एवं मुख्य भाग, विभिन्न टैग्स, टेक्स्ट फॉर्मेटिंग, इमेजेज का समावेश, लिंक्स बनाना, तालिकाओं एवं सूचियों का प्रयोग, फ्रेम्स एवं प्रपत्र प्रबंधन।

9. प्रलेख (Document) तैयारी

एम.एस.–वर्ड: MS-Word का परिचय एवं विशेषताएँ, प्रलेख बनाना, सेविंग और ओपनिंग डॉक्युमेंट्स, इंटरफेस, टूलबार्स, रूलर, मेनू, कीबोर्ड शॉर्टकट्स, अनुच्छेद फॉर्मेटिंग, पंक्तिबद्धता, सीमाएँ एवं छायांकन, हेडर्स और फुटर्स, स्तंभ, तालिकाएँ।

एम.एस.–एक्सेल: वर्कशीट्स बनाना, सेल्स, स्तंभ एवं पंक्तियों की परिभाषा, डाटा की प्रविष्टि, संपादन एवं संरक्षण, टूलबार्स, फंक्शन्स, कीबोर्ड शॉर्टकट्स, सेल्स फॉर्मेटिंग, पंक्तिबद्धता, कैरेक्टर स्टाइल्स, स्तंभ/पंक्ति का आकार समायोजन, दिनांक/समय फॉर्मेटिंग, बोर्डर्स, रंग, बेसिक फॉर्मूलास, कक्ष संदर्भ (सापेक्ष, निरपेक्ष, मिश्रित)।

एम.एस.–पावरपॉइंट: MS-PowerPoint का अवलोकन एवं प्रस्तुति में उपयोग, स्लाइड्स बनाना, प्रतिलिपि करना, स्थानांतरित करना, हटाना, विषयवस्तु, स्लाइड क्रम, डिजाइन उपकरण, पाठ संपादन एवं स्वरूपण, शैली प्रयोग, बुलेट्स/क्रमांकन, छवियाँ, चार्ट्स, स्मार्ट–आर्ट, मल्टीमीडिया समावेश, दृश्य प्रभाव, एनिमेशन, नोट्स, हैंडआउट्स, स्लाइड सॉर्टर व्यू, रिहर्स टाइमिंग।

परिशिष्ट–5

पदों की संगत सेवा नियमावलियाँ

1. उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद, सहायक नगर नियोजक नियमावली, 1979 (यथा संशोधित)
2. उत्तर प्रदेश खेलकूद निदेशालय अधीनस्थ सेवा नियमावली, 1986 (यथा संशोधित)
3. उत्तर प्रदेश सरकारी विभाग इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग समूह 'ख' संवर्ग सेवा नियमावली, 2016

सचिव